ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

REACHING NATIONS

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXX YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2025 AUGUST No.09

पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
भजन 37:1-8

1 कुकर्मियों के कारण मत कुढ़, कुटिल काम करनेवालों के विषय डाह न कर!
2 क्योंकि वे घास के समान झट कट जाएँगे, और हरी घास के समान मुर्झा जाएँगे।
3 यहोवा पर भरोसा रख, और भला कर; देश में बसा रह, और सच्चाई में मन लगाए रह।
4 यहोवा को अपने सुख का मूल जान, और वह तेरे मनोरथों को पूरा करेगा।
5 अपने मार्ग की चिन्ता यहोवा पर छोड़; और उस पर भरोसा रख, वही पूरा करेगा।
6 वह तेरा धर्म ज्योति के समान, और तेरा न्याय दोपहर के उजियाले के समान प्रगट करेगा।
7 यहोवा के सामने चुपचाप रह, और धीरज से उसकी प्रतीक्षा कर; उस मनुष्य के कारण न कुढ़, जिसके काम सफल होते हैं, और वह बुरी युक्तियों को निकालता है!
8 क्रोध से परे रह, और जलजलाहट को छोड़ दे! मत कुढ़, उससे बुराई ही निकलेगी।

आप फल लाने के लिए चुने गए हैं!?

FREEDOM TO BEAR FRUIT !

बहन एन्जल

प्रिय एको ऑफ़ हिज़ कॉल विस्तारित परिवार,

हमारे देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई!

आज, हम उन अनगिनत शहीदों को कृतज्ञतापूर्वक याद करते हैं और उनका सम्मान करते हैं जिन्होंने निस्वार्थ भाव से अपने प्राणों का बलिदान दिया ताकि हम स्वतंत्रता की आशीष का आनंद ले सकें। इस विषय पर विचार करते हुए, मुझे एक और भी बड़ी स्वतंत्रता का स्मरण हो आता है - जिसे यीशु मसीह ने हमारे लिए सुरक्षित करने के लिए संघर्ष किया।

पवित्र शास्त्र सिखाता है कि हम कभी पाप के दास थे (रोमियों 6:20)। प्रेरित पौलुस ने रोमियों 7:24 में इसे मार्मिक रूप से व्यक्त किया है : **मैं कैसा अभागा मनुष्य हूं! मुझे इस मृत्यु की देह से कौन छुड़ाएगा?** यह केवल पौलुस के हालात नहीं थे - यह पूरी मानवजाति के हालात थे। हम निराश थे, स्वतंत्रता के बिना।

लेकिन यीशु मसीह हमारे संसार में आए, कलवरी के क्रूस पर अपना प्राण त्याग दिया, और तीसरे दिन विजयी होकर फिर से जी उठे। अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, उन्होंने पाप,

पृष्ठ 3 मे क्रमशः...

एको ऑफ हिज़ कॉल 5 मिनिट का संदेश!!

यू ट्यूब मसीही चैनल!

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलूगू

प्रतिदिन सुबह 2 बजे

तमिल रविवार सभा - सुबह 8:30 बजे

* Please Subscribe and Share *

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

REACHING NATIONS

from your dearly beloved brother...

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF
Rev. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.

EX MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

GENERAL MANAGER
Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc.(C&P), PGDHRM, MBA.

ADMINISTRATION
Sis. Jesy Veena Sam
Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.
Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.
Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.
Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)

EDITORIAL BOARD
Dr. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Sis. Sajini Cherian
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Rev. Dr. William Robert, Ph.D., DD, D.Lit.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858 95661 31858

E.MAIL
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.org

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

"यहोवा मेरा चरवाहा है, मुझे कोई घटी न होगी।"
भजन 23:1

57th Year

सेवकाई के 57 वें वर्ष में प्रवेश!

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम की स्तुति हो!

परमेश्वर के अनुग्रह से, सात वर्ष की छोटी सी उम्र में ही मुझमें परमेश्वर की सेवकाई में सेवा करने की इच्छा जागी।

जैसा लिखा है,

क्योंकि परमेश्वर ही है जिसने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है। फिलिप्पियों 2:13।

यह दिव्य बुलाहट सबसे पहले मेरे गृह कलीसिया, नेल्लाराईकोनम – दक्षिण भारत के नेयूर चर्च में जाग उठी। तब से, परमेश्वर ने मुझे संसार के भ्रष्ट प्रभावों से पूरी निष्ठा से बचाया है और मुझे अपने सेवक के रूप में ढालते और प्रशिक्षित करते ररहा हैं। परमेश्वर का प्रेम मेरे जीवन भर मेरे लिए पर्याप्त से भी अधिक रहा है। मुझे मेरी अपनी इच्छाओं के अनुसार जीवन देने के बजाय, उसने प्रेमपूर्वक मुझे सुधारा और अनुशासित किया, और मुझे अपना पुत्र और सेवक दोनों बनाया।

तुम दुःख को ताड़ना समझकर सह लो; परमेश्वर तुम्हें पुत्र जानकर तुम्हारे साथ बर्ताव करता है। वह कौन सा पुत्र है जिसकी ताड़ना पिता नहीं करता? इब्रानियों 12:7।

यह यात्रा आसान नहीं रही। जिस मार्ग पर मैं चला, वह अक्सर मानवीय क्षमता से परे परीक्षाओं और कठिनाइयों से भरा था। फिर भी, मुझे जीवन के सबसे कठिन दौर में उसकी गोद में बैठने और कभी-कभी उसके कंधों पर सवार होने का सुअवसर प्राप्त हुआ। मेरे हृदय में कोई संदेह नहीं है कि परमेश्वर भला है। उसके सोटे और उसकी लाठी मुझे निरंतर सांत्वना मिलती है।

पिछले 56 वर्षों की सेवकाई में, प्रभु ने मुझे अनगिनत यादगार और सार्थक अनुभव प्रदान किए हैं। उसकी असीम कृपा से, अब मैं 10 अगस्त 2025 को, पूर्ण शारीरिक और आत्मिक स्वास्थ्य और एक अच्छी गवाही के साथ, सेवकाई के 57वें वर्ष में प्रवेश कर रहा हूं।

प्रथम शताब्दी की कलीसिया के शुद्ध प्रेरितिक सिद्धांतों का वर्तमान पीढ़ी तक प्रचार करने के सिद्धांत का पालन करते हुए।

हमारी **"एको ऑफ हिज़ कॉल"** सेवकाई बिना किसी फिजूलखर्ची और अचानक आर्थिक या वित्तीय विस्तार के कार्य करती रहती है। हम केवल परमेश्वर के निरंतर अनुग्रह से, अपने लक्ष्य और बुलाहट के प्रति समर्पित रहते हैं।

केवल उसी की महिमा हो!

हमारी वर्तमान सेवकाई :

1. 24 घंटे प्रार्थना सहायता
2. कलीसिया स्थापना
3. एको ऑफ हिज़ कॉल - 16 भाषाओं में प्रकाशित मासिक पत्रिका
4. बाइबल कोर - डाक द्वारा बुनियादी बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम, ३ भाषाओं में उपलब्ध
5. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम - २ भाषाओं में उपलब्ध
6. नहेमायाह बाइबल कॉलेज - चेपॉक, संतोषपुरम और वेलाचेरी में आवासीय परिसर
7. गॉस्पेल प्रिंटिंग प्रेस
8. सेंट पल्सल मैट्रिक्यूलेशन स्कूल - एक ग्रामिण हाई स्कूल
9. सेमिनार
10. सुसमाचार सभाएं
11. एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब सेवकाई
12. सोशल आउटरीच और सेवा

मैं प्रभु के लिए और भी बड़े काम करने की लालसा रखता हूं और लगन से मेहनत करता हूं, यह कोशिश करते हुए कि मैं **"सब मनुष्यों के लिये सब कुछ बना "** (1 कुरिन्थियों 9:22), और **"प्रभु के लिये एक योग्य प्रजा तैयार करे।"** (लूका 1:17)।

हालांकि इस यात्रा में असफलताएं, कठिनाइयां, कष्ट, कमज़ोरियां, खामियां और गहरे अकेलेपन के क्षण शामिल हैं, फिर भी मुझमें कार्यरत परमेश्वर के सामर्थ्यशाली हाथ की सामर्थ्य से मैं निरंतर सामर्थ्य पाता हूं। हर चुनौती के बीच, वही मेरा मार्गदर्शक, प्रदाता, विश्वासयोग्य मित्र और अपरिवर्तनीय पालनकर्ता बना रहता है।

आप सभी को, जो मेरे साथ हैं - सुख-दुःख में, दोनों में - परमेश्वर आपको हर अच्छे वरदान से भरपूर आशीष दे। मैं सच्चे मन से प्रार्थना करता हूं कि प्रभु अपने गौरवशाली मिशन के लिए और भी कई सहकर्मियों और समर्थकों को खड़ा करें।

"जब अंधकार मुझे घेर लेता है, हे प्रभु, तू मेरे साथ है!
मैं अनाथ की तरह भटकता रहा फिर भी तूने मुझे गले लगाया!"

1) जंगल से गुजरते हुए, तू मेरी रक्षा करेगा! हालांकि रास्ता कठिन और उबड़-खाबड़ है, तू अपने अनुग्रह से मुझे सांत्वना देगा!

2) मारा का जल मीठा हो जाएगा- मेरा न बदलने वाला प्रिय मेरा अपना बन गया है, यीशु! यीशु! तू अपनी सामर्थी भुजा से गरीबों को थाम लेगा।

3) जब मेरे पैर फिसलते हैं, तो आपका अनुग्रह मुझे संभालता है। आप मेरे सींग का अभिषेक करेंगे और मुझे ऊपर उठाएंगे।

परमेश्वर का अनुग्रह आप सभी पर बना रहे। आमीन!

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज
Email: sam@echoofhiscall.org

पृष्ठ 1 से आगे:...

शाप और मृत्यु पर विजय प्राप्त की - साहसपूर्वक घोषणा करते हुए, "हे मृत्यु, तेरा डंक कहां है?" वह एक सिद्ध बलिदान बन गया, जिसने हमें सच्ची और अनंत स्वतंत्रता प्रदान की।

यह सत्य है। और यीशु मसीह ने कहा... **मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ...** यूहन्ना 14:6 उसने यह भी घोषणा की **...तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।** यूहन्ना 8:32। यह सत्य स्वयं यीशु मसीह है।

अब जब हमें यह शानदार स्वतंत्रता मिल गई है, तो हम इसके साथ क्या करते हैं?

यीशु मसीह यूहन्ना 15:16 में इसका उत्तर देते हैं : **तुम ने मुझे नहीं चुना परन्तु मैं ने तुम्हें चुना है और तुम्हें नियुक्त किया कि तुम जाकर फल लाओ।**

आइए हम यीशु मसीह में अपनी स्वतंत्रता का उपयोग उसकी महिमा के लिए स्थायी फल लाने के लिए करें।

इसलिए, हम समझते हैं कि यीशु मसीह ने हमें स्वतंत्रता प्रदान की है; हालांकि, वह हमसे यह भी अपेक्षा करता है कि हम उस स्वतंत्रता के माध्यम से फल लाएं।

I. उसमें बने रहना!

केवल उसी तरह से हम वास्तव में फल ला सकते हैं जिससे हम उसमें बने रहें।

अत्यंत आवश्यक सूचना!

निकट भविष्य में एको ऑफ हिज़ कॉल के डाक प्रेषण में अपरिहार्य रुकावटें हो सकती हैं। यदि आप बिना किसी रुकावट के एको ऑफ हिज़ कॉल प्राप्त करना जारी रखना चाहते हैं, तो कृपया हमें अपना नाम, पता, ईमेल और व्हाट्सएप नंबर पत्र, ईमेल, फ़ोन कॉल या एसएमएस/व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से तुरंत भेजें।

आपका समर्थन हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करता है!

हमारा पता :
ECHO OF HIS CALL,
10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005, India
Cell: (+91) 98412 71858 / 98410 71858 E.mail: sam@echoofhiscall.org

बाइबल सिखाती है :

...जो मुझ में बना रहता है और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते। यूहन्ना 15:5।

इसमें स्पष्ट रूप से एक फलदायी जीवन की बुलाहट शामिल है।

फलदायी!

जब हम उसमें बने रहते हैं, तो हम फलदायी बनते हैं!

पिरामिड के रूप में दर्शाया गया यह चित्र फलदायकता के जुड़ाव की प्रगति को दर्शाता है।

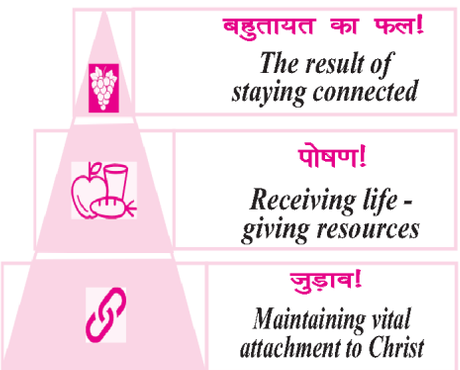

Apart from me you can do nothing (john 15:5). This stark declaration reminds us that branches survive only by remaining connected to their source.

(अ) जुड़ाव!

जुड़ाव, मसीह के साथ हमारे बुनियादी रिश्ते को दर्शाता है। यह कोई आकस्मिक जुड़ाव नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण, जीवनदायी लगाव है। यीशु मसीह इसे बने रहने वाला या स्थायी कहते हैं - ये शब्द स्थायित्व, आत्मीयता और निरंतर निर्भरता का बोध कराते हैं।

(ब) पोषण!

पोषण, दूसरा स्तर, दर्शाता है कि इस रिश्ते से क्या प्रवाहित होता है। जैसे शाखाएं बेल से रस, पोषक तत्व और जल प्राप्त करती हैं, वैसे ही हम यीशु मसीह से आत्मिक संसाधन प्राप्त करते हैं - उसकी बुद्धि, सामर्थ्य, प्रेम और अनुग्रह। यह पोषण स्वतः नहीं होता; इसके लिए हमारी ओर से सक्रिय ग्रहणशीलता की आवश्यकता होती है।

(क) बहुतायत का फल!

सबसे ऊपर, बहुतायत फल इस जुड़े हुए रिश्ते के स्वाभाविक परिणाम को दर्शाता है। यह फल हमारे प्रयास या मानवीय प्रयास का परिणाम नहीं है, बल्कि मसीह के साथ एक स्वस्थ मिलाप से स्वाभाविक रूप से प्रवाहित होता है। इस फल में चरित्र परिवर्तन (गलातियों 5:22—23) और प्रभावशाली सेवकाई दोनों शामिल हैं।

इसलिए, फल उत्पन्न करने के लिए, हमें परमेश्वर से जुड़े रहना चाहिए। लेकिन केवल जुड़े रहने से भी बढ़कर, यूहन्ना 15:5 उद्धारकर्ता पर हमारी पूर्ण निर्भरता पर ज़ोर देता है। यीशु मसीह ने यह नहीं कहा, "मुझसे अलग होकर, तुम कुछ कर सकते हो" या "तुम कम प्रभावी होगे।" वह कहता है, "कुछ भी नहीं।" यह आत्मिक मूल्य की किसी भी चीज़ के निर्माण के लिए हमारे द्वारा प्रवाहित होने वाले उनके जीवन पर हमारी पूर्ण निर्भरता को रेखांकित करता है।

II. हम मसीह में कैसे बने रह सकते हैं?

चार महत्वपूर्ण तत्व हैं जो हमें मसीह में बने रहने में मदद करते हैं।

(अ) वचन!

बाइबल पढ़ना केवल एक बौद्धिक अभ्यास नहीं है - यह आत्मिक पोषण है। जितना अधिक हम परमेश्वर के वचन को पढ़ते और उस पर मनन करते हैं, उतना ही हम उसके समान बनते जाते हैं।

मैंने तेरे वचन को अपने हृदय में रख छोड़ा है कि मैं तेरे विरुद्ध पाप न करूं। - भजन संहिता 119:11

परमेश्वर का वचन प्रकाश के रूप में कार्य करता है, जो हमें न केवल स्वयं को, बल्कि दूसरों को भी प्रेम और सच्चाई से सुधारने का मार्गदर्शन देता है।

"मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दो, और सिद्ध ज्ञान सहित एक दूसरे को सिखाओ और चिताओ, और अपने अपने मन में अनुग्रह के साथ परमेश्वर के लिये भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाओ।" - कुलुस्सियों 3:16

पवित्र शास्त्र पर मनन करना उतना ही आवश्यक है जितना कि उसे पढ़ना। यह अचानक नहीं होना चाहिए; यह जानबूझकर और व्यवस्थित होना चाहिए। तभी वचन हमारे मनों को नवीकृत कर सकता है और हमारे हृदयों को परमेश्वर के साथ जोड़ सकता है।

(ब) प्रार्थना!

प्रार्थना ईश्वर के साथ एक दोतरफ़ा संवाद है - सिर्फ़ प्रार्थना निवेदनों की सूची नहीं। अक्सर, हम इसे खरीदारी की सूची की तरह समझते हैं। लेकिन सच्ची प्रार्थना हमारे सिरजनहार के साथ निरंतर संवाद है।

बिना रुके प्रार्थना करें, - 1 थिस्सलुनीकियों 5:17

हम बिना रुके प्रार्थना कैसे कर सकते हैं? दिन भर परमेश्वर से बात करके - गाड़ी चलाते, चलते, खाना बनाते या सफाई करते समय, अपने जीवन की हर बात उसे बता कर।

(क) आज्ञाकारिता!

तीसरा तत्व आज्ञाकारिता है। यूहन्ना 15:10 में, यीशु मसीह आज्ञाकारिता और उनमें बने रहने के बीच के संबंध को प्रकट करता है। आज्ञाकारिता कोई बोझिल कर्तव्य या कोई कानूनी ज़रूरत नहीं है। बल्कि, यह परमेश्वर के प्रति प्रेम से प्रेरित प्रतिक्रिया है।

यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे। - यूहन्ना 14:15 (ईएसवी)

(ड) संगति!

इब्रानियों 10रू24—25 एक साथ मिलने के महत्व पर प्रकाश डालता है। हाल ही के दिनों में, कई लोग "यूट्यूब चर्च" के साथ सहज हो गए हैं। हालांकि ऑनलाइन संसाधन आत्मिक विकास में सहायक हो सकते हैं, लेकिन उन्हें व्यक्तिगत रूप से एकत्रित होने का स्थान कभी नहीं लेना चाहिए। यह ईश्वर की ओर से एक स्पष्ट आदेश है।

मसीही समुदाय जवाबदेही, प्रोत्साहन और साझा ज्ञान प्रदान करता है - ऐसे तत्व जो मसीह के साथ हमारे व्यक्तिगत जीवन को मज़बूत करते हैं।

पृष्ठ 6 से आगे:...

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES
SINCE 1969

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों 6:2), ❋ सहायता करना (रोमियों 12:13) और ❋ चमकाना (2 तीमु. 1:6)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

19 अगस्त 2025, से 18 सितम्बर 2025 तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

19 अगस्त : मुख्य कलीसिया में लड़कियों और लड़कों के लिए हमारी युवा फ़ेलोशिप पर परमेश्वर की आशीष के लिए।

20 अगस्त : 1 जुलाई, 2025 को संतोषपुरम में **नहेमायाह बाइबल कॉलेज** को पुनः आरंभ करने में हमारी सहायता करने के लिए।

21 अगस्त : 10 अगस्त, 2025 को आयोजित हमारे 56वें वार्षिकोत्सव समारोह पर परमेश्वर की आशीष के लिए।

22 अगस्त : हमें समर्पित कर्मचारी प्रदान करने के लिए जो एकता और समर्पण के साथ सेवा करते हैं।

23 अगस्त : **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** के प्रधानाचार्य, कर्मचारियों और छात्रों की आशीष के लिए।

24 अगस्त : हमें ऐसे विश्वासयोग्य सहयोगी प्रदान करने के लिए जो नैतिक और आर्थिक रूप से हमारी सहायता करते हैं।

25 अगस्त : हमारे सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा के लिए।

26 अगस्त : **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** में नए प्रवेश के लिए।

27 अगस्त : परमेश्वर हमें मदद करने वालों को आशीष दे।

28 अगस्त : हमारे वरिष्ठ पासवान और उनके परिवार पर उसके ईश्वरीय अनुग्रह के लिये

29 अगस्त : हमारे सहयोगी संपादकों और उनके परिवारों के लिए उनके आह्वान की प्रतिध्वनि।

30 अगस्त : मिशन क्षेत्र में हमारे मिशनरियों और उनके परिवारों पर ईश्वर की सुरक्षा।

31 अगस्त : पिछले महीने हमारी ज़रूरतों को पूरा करने में ईश्वर का प्रावधान।

1 सितंबर: हमारी कलीसियाओं में नए सदस्यों का जुड़ना।

2 सितंबर: हमारे **नहेमायाह बाइबल कॉलेजों** में नए छात्रों के नामांकन का अनुग्रह।

3 सितंबर: हमारे सहयोगी संपादकों का सहयोग और समर्पण।

कृपया प्रार्थना करें

4 सितंबर: **एको ऑफ़ हिज़ कॉल** की मुख्य कलीसिया और उसकी सभी शाखाओं के विश्वासियों और उनके परिवारों की भलाई के लिए।

5 सितंबर: हमारे प्रार्थना सहयोगी, सदस्यता सहयोगी, विश्वास सहयोगी, जीवन सहयोगी, महान आदेश सहयोगी और उनके परिवारों की आवश्यकताओं और हितों के लिए।

6 सितंबर: हमारे राज्य समन्वयकों और उनके संगति समूहों की भलाई और एकता के लिए।

7 सितंबर: महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाली हिंसा के पूर्ण अंत के लिए।

8 सितंबर: हमारे वरिष्ठ पास्टर, रेव्ह. एस. सैम सेल्वा राज को उनके बहुआयामी सेवाकार्य में नया दर्शन और अभिषेक प्राप्त हो इसके लिए।

9 सितंबर: हमारे सभी स्टाफ सदस्यों और उनके परिवारों की परमेश्वर द्वारा ईश्वरीय सुरक्षा के लिए।

10 सितंबर: हमारे सुसमाचार मुद्रणालय (गॉस्पेल प्रिंटिंग प्रेस) और उसके कर्मचारियों में अधिक कुशलता और उत्कृष्टता के लिए।

11 सितंबर: हमारे सहकर्मियों के परिश्रम के लिए, जो **नहेमायाह बाइबल कॉलेजों** सामग्री का अनुवाद करते हैं और सिखाते हैं।

12 सितंबर: मसीही प्रचारक सुसमाचार को निष्ठा और बिना किसी समझौते के प्रचार करें, इसके लिए।

13 सितंबर: हमारे **नहेमायाह बाइबल कॉलेजों** में नामांकन की संख्या में वृद्धि के लिए।

14 सितंबर: सभी राष्ट्रों के बीच एकता और शांति बनी रहे इसके लिए।

15 सितंबर: मद्यपान करने वालों और बुरे कार्यों में लगे लोगों का सच्चा मन परिवर्तन और रूपांतरण हो इसके लिए।

16 सितंबर: हमारे सेवाकार्य का विस्तार और सुसमाचार का विश्वभर में प्रचार हो इसके लिए।

17 सितंबर : हमारे सभी सहयोगी संपादकों और उनके परिवारों की सुरक्षा और भलाई के लिए।

18 सितंबर : हर परिवार में शांति बनी रहे इसके लिए।

पष्ठ 4 से आगे:...

III. फल जो बना रहता है = दृढ़ता!

जब ये चार आवश्यक तत्व हमारे जीवन में लगातार मौजूद रहते हैं, तो हम ऐसे फल लाने के लिए सशक्त होते हैं जो बने रहते हैं।

यीशु मसीह ने अपने चेलों को केवल "फल लाने" के लिए नहीं कहा; उन्होंने कहा कि ऐसे फल लाओ जो बने रहें - ऐसे फल जो टिके रहें, ऐसे फल जो समय की कसौटी पर खरे उतरें।

यह एक सिकोइया वृक्ष की छवि है - जो प्रकृति के धीरज के सबसे शक्तिशाली प्रतीकों में से एक है। इनमें से कुछ विशालकाय वृक्ष ३,००० से भी ज़्यादा वर्षों से खड़े हैं, अनगिनत आग, तूफ़ानों और पर्यावरणीय बदलावों को झेलते हुए। ये किसी भी प्रकार के विकास में दृढ़ता और धैर्य के महत्व की एक अद्भुत याद दिलाते हैं।

सच्चा विकास - चाहे शारीरिक हो, बौद्धिक हो, या रिश्तों से संबंधित हो - केवल निरंतर दृढ़ता से ही संभव है। धैर्य और दृढ़ता स्थायी विकास के दो स्तंभ हैं।

विकास के चार चरण होते हैं।

(अ) प्रारंभिक विकास!

नए विश्वासी अक्सर एक आत्मिक "हनीमून चरण" से गुज़रते हैं, जो ध्यान देने योग्य परिवर्तन और उत्साह से चिह्नित होता है। यीशु मसीह के साथ उनका प्रारंभिक जुड़ाव स्पष्ट और सच्चे परिवर्तन लाता है, हालांकि इनकी परीक्षा अभी समय और प्रलोभनों द्वारा होनी बाकी है।

(ब) परीक्षा का समय!

विकास की किसी भी यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण चरण होता है। उन्नति की प्रारंभिक अवधि के बाद, उस विकास की गहराई और सामर्थ्य को प्रकट करने के लिए अक्सर परीक्षा का एक समय आता है। मत्ती १३ में, जब यीशु मसीह ने बोने वाले का दृष्टांत सुनाया, तो उन्होंने बताया कि विकास का परिणाम उस मिट्टी के प्रकार पर निर्भर करता है जिसमें बीज बोए गए थे। कुछ बीज जल्दी अंकुरित हो गए, लेकिन सताव या जीवन की चिंताओं के कारण मुरझा गए।

इसी तरह, आकड़े बताते हैं कि कई विश्वासी कठिनाई के समय में भटक जाते हैं। मानवीय रिश्तों में भी अक्सर यही पैटर्न देखा जाता है - जो प्रतिज्ञाओं से शुरू होता है, उसकी परीक्षा समय, परीक्षाओं और दबावों से होती है।

(क) विश्वासयोग्य निरंतरता का चरण!

यह चरण परिपक्व शिष्यत्व का प्रतिनिधित्व करता है। गलातियों 6:9 हमें याद दिलाता है, **"हम भले काम करने में साहस न छोड़ें, क्योंकि यदि हम ढीले न हों तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे।"**

यह वह समय है जब दृढ़ता अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम हार मानने का मन कर सकते हैं; यह आत्मिक रूप से सूखा समय लग सकता है - लेकिन विश्वास में आगे बढ़ते रहने से सच्ची आत्मिक परिपक्वता प्रकट होती है। हमारे आत्मिक पूर्वजों ने इसका अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया था।

मुझे याद है जब मेरे पिता ने हमारा चर्च शुरू किया था - शुरुआत में, उनके साथ सिर्फ़ मैं और मेरी मां ही थे। जब मेरी मां प्रसव अवकाश पर गईं, तो हम दोनों ही थे। हर रविवार, मेरे पिता ऐसे प्रचार करते मानो हज़ारों लोगों को संबोधित कर रहे हों, हमेशा एक वेदी की बुलाहट देते हुए। मैं बहुत छोटी थी, लेकिन मैं हर हफ़्ते अपना हाथ उठाकर उनकी बुलाहट का जवाब देती।

दिन बीतते गए। महीने बीतते गए। कोई प्रत्यक्ष फल नहीं दिखा। फिर भी, मेरे पिता ने कभी हार नहीं मानी। वे विश्वास की आंखों से देखते हुए, निष्ठापूर्वक लगे रहे।

परमेश्वर की स्तुति हो - अंततः, प्रभु ने हमारे चर्च को आशीष दी। न केवल यह बढ़ता गया, बल्कि हम भारत और अन्य देशों में भी शाखाएं स्थापित करने में सक्षम हुए।

इसलिए, आगे बढ़ते रहो। हार मत मानो। आज हम विश्वास में जो बोते हैं, वह परमेश्वर के सही समय पर फल देगा।

पृष्ठ 8 में क्रमशः...

NEHEMIAH BIBLE COLLEGES,
Chepauk & Santhoshapuram, Velachery Chennai.
Qualification : 10th Standard & above
Rush for admission! Medium :Tamil (Part Time)
Hindi (Residential) (Sponsorship Available)
Diploma in Theology
Recognised by International Christian Leaders & Senior Pastors for the past 55 years
Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

कृपया हमारे मुख्यालय में हो रहे सेवाकार्यों के लिए प्रार्थना करें!

१. प्रार्थना सेवा : २४ घंटे
२. **बाइबलकोर** - बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम : अंग्रेजी, तमिल, हिन्दी
३. **बुलावे की प्रतिध्वनि (एको ऑफ हिज़ कॉल)** - मासिक पत्रिका अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, तेलुगू, हिन्दी, कन्नड, मराठी, गुजराती, बगाली, उड़िया, नेपाली, आसामी, पंजाबी, उर्दू, सिन्हाला, अफ्रीकान
४. नहेम्याह बाइबल कॉलेज (तीन केन्द्र)
५. थियोलॉजिकल प्रशिक्षण कोर्स - अंग्रेजी एवं तमिल
६. ग्रेट कमिशन पार्टनर्स
७. प्रशिक्षण कार्यक्रम
८. सुसमाचार सभाएं
९. साहित्य वितरण और फॉलो-अप
१०. सुसमाचार साहित्य मुद्रणालय -प्रकाशन
११. सेंट पॉल्स मॅट्रिक्युलेशन स्कूल- विलेज इंग्लीश स्कूल
१२. सण्डेस्कूल रविवार प्रातः ८.३० बजे
१३. तमिल उपासना रविवार प्रात ५.०० बजे - ७.०० बजे १०.००बजे
१४. हिन्दी उपासना रविवार सायं ४.०० बजे
१५. तेलुगू उपासना रविवार सायं ५.०० बजे
१६. अंग्रेजी तथा तमिल उपासना रविवार सायं ६.०० बजे
१७. महिलाओं की प्रार्थना सभा बुधवार सायं ५.३० बजे
१८. पुरुषों की प्रार्थना सभा शुक्रवार सायं ६.३० बजे
१९. शिष्यता की सभा शनिवार सायं ६.०० बजे
२०. गृह सभाएँ मंगल.गुरु सायं ६.३० बजे
२१. विशेष पवित्र सहभागिता-प्रभुभोज प्रतिमाह के १ ला दिवस पर प्रातः ५.३० बजे
२२. कर्मचारी समीक्षा सभा प्रथम शनिवार सायं ५.३० बजे
२३. पालकों की प्रार्थना सभा प्रथम रविवार सायं ४.०० बजे
२४. रात्रकालिन प्रार्थना द्वितीय शुक्रवार रात ९.३० बजे
२५. उपवास के साथ प्रार्थना प्रथम शनिवार सायं ९.३० बजे
२६. पवित्र प्रभुभोज द्वितीय रविवार की उपासनाएँ
२७. प्रातःकालीन उपासना प्रतिदिन प्रातः ५.०० बजे
२८. कर्मचारी वर्ग द्वारा प्रार्थना उपासना प्रतिदिन प्रातः ९.०० बजे
२९. कार्यालय प्रातः ९.०० बजे से सायं ९.०० बजे (रविवार छोड़कर)

ऍको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

1. बाइबलकोर

हम नए मसीहियों और गैर–मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी–57 पृष्ठ, हिन्दी–76 पृष्ठ, और तमिल–96 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको ***आपके लिए नया जीवन*** शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेज़ी 537 पृ. और तमिल 652 पृ. ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, Post Box 2957
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का उत्तम अवसर

यदि आप डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स अप या फोन करके अपने मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेज सके, तो हम उन्हें **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	:	ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST
Account Number	:	1023 2923 805
Bank Name	:	STATE BANK OF INDIA
Branch	:	TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005
IFSC Code	:	SBIN 0000249
SWIFT Code	:	SBI NIN BB 455

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

...यदि कोई मेरी सेवा करे, तो पिता उसका आदर करेगा। (यूहन्ना 12:26)

परमेश्वर ने विभिन्न अवसरों पर मेरे द्वारा महान कार्य किए हैं। परमेश्वर ने मुख्यालय और बाहरी स्थानों पर मेरी सेवकाई में आश्चर्यकर्म और अद्भुत कार्य करके मुझे सम्मानित किया है। इसके द्वारा इस सेवकाई की सुगंध दुनिया के कई हिस्सों में फैल गई। परमेश्वर के नाम की महिमा हो।

एक बार जब मैं ऑस्ट्रेलिया के सिडनी, मेलबर्न और ब्रिस्बेन में सेवकाई कर रहा था, तो कई लोगों ने परमेश्वर के शानदार स्पर्श का अनुभव किया।

एक दिन एक ऑस्ट्रेलियाई दम्पति मुझसे मिलने उस घर में आए जहां मैं रह रहा था। वे रो रहे थे और मुझे बता रहे थे कि उनकी शादी को १३ साल हो गए हैं, फिर भी उनका कोई बच्चा नहीं है। उन्होंने मुझे यह भी बताया कि वे शांतिपूर्ण तरीके से तलाक के लिए आवेदन करने वाले हैं। उन्होंने मुझसे इसके लिए प्रार्थना करने को कहा (उनके देश में तलाक बहुत आम था)।

मुझे बहुत दुख हुआ। इसलिए मैंने उनसे पूछा कि क्या मैं प्रार्थना कर सकता हूं कि परमेश्वर उन्हें एक संतान दे। वे मुझ पर हंसे और कहा कि वे कई प्रसिद्ध डॉक्टरों के पास गए हैं और वे कुछ नहीं कर पाए। उन्होंने मुझसे पूछा, "प्रार्थना से संतान कैसे हो सकती है?" इसलिए मैं उनके साथ बैठा और उन्हें विश्वास, उसके परिणाम और ईश्वर की सामर्थ्य के बारे में समझाया। बाद में मैंने उनके लिए आत्मा में सच्चे मन से प्रार्थना की।

ईश्वर की स्तुति हो! लगभग दो महीने बाद मैं ऑस्ट्रेलिया से भारत जा रहा था। जब मैं हवाई अड्डे पर पहुँचा, तो मैंने देखा कि वह जोड़ा मेरे लिए उपहारों का एक बड़ा पैकेट ला रहा है। मैं यह देखकर दंग रह गया कि वे लगभग दस मिनट तक हवाई अड्डे पर रोते रहे। पूरी भीड़ यह देख रही थी।

अंततः पति ने मुझे बताया कि उसकी पत्नी गर्भवती हो गई है और डॉक्टरों ने उसी दिन इसकी पुष्टि कर दी है। वे बहुत खुश हुए और उपहार के पैकेट में उन्होंने मेरे प्रचार के लिए बहुत सारे कपड़े और उपयोगी चीजें रखी थीं। ईश्वर ने उन्हें एक बेटी दी और बाद में उन्हें दो और बेटे दिए और उन्हें आशीर्वाद दिया।

प्रिय मित्र, परमेश्वर आपके जीवन में भी यही चमत्कार कर सकते हैं। ईश्वर पर विश्वास रखें और उससे पूरे विश्वास के साथ प्रार्थना करें। वह आपकी सभी ज़रूरतें पूरी करेंगे।

प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह, जिसका मैं प्रचार करता हूं, निःसंतान दम्पतियों को संतान प्रदान करने, बीमार शरीरों को ठीक करने और अन्य आशीषें देने में सक्षम हैं। वह कल, आज और हमेशा एक जैसा है। सदैव। परमेश्वर की जय हो!

पृष्ठ 6 से आगे:...

(ड) स्थायी विरासत!

परमेश्वर ने हमें एक स्थायी विरासत छोड़ जाने के लिए बुलाया है - ठीक वैसे ही जैसे मूसा, यहोशू, दानिय्येल, पौलुस, पतरस, एस्तेर, याएल, मरियम और कई अन्य लोगों ने किया।

2 तीमुथियुस 2:2 में, पौलुस पीढ़ी दर पीढ़ी आत्मिक उन्नति की बात करता है। हम पीढ़ियों से चले आ रहे परमेश्वर की सेवा करते हैं, और उसने हमें ऐसे फल लाने के लिए बुलाया है जो स्थायी हों।

हमारे बच्चे और आने वाली पीढ़ियां हमारा आदर करें। माता-पिता होने के नाते, हमें उनके लिए एक ईश्वरीय विरासत छोड़ने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है जिसका वे अनुसरण कर सकें। मैं अपनी दादी-नानी और अपने माता-पिता का बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे प्रभु के मार्ग पर ईमानदारी से आगे बढ़ाया। मैंने उन्हें देखकर और उनके वचनों को सुनकर बहुत कुछ सीखा। उनकी स्थायी विरासत के लिए परमेश्वर की स्तुति हो।

यूहन्ना 15:16 हमें याद दिलाता है कि यीशु मसीह ने हमें फल लाने के लिए चुना है - ऐसा फल जो स्थायी रहेगा। फल को वास्तव में स्थायी बनाने वाली चीज़ है हर मौसम में दृढ़ता।

IV. बाधाएँ और चुनौतियाँ!

हम सभी प्रभु में बढ़ना और अपने विश्वास में दृढ़ रहना चाहते हैं। हालांकि, कुछ वास्तविक चुनौतियां हैं जो हमारे आत्मिक विकास में बाधा डालती हैं।

(अ) व्यस्तता!

सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है व्यस्तता। समय बचाने वाले उपकरणों और तकनीक की बहुतायत के बावजूद, हमारा जीवन लगातार व्यस्त होता जा रहा है। काम की ज़िम्मेदारियों, पारिवारिक प्रतिबद्धताओं और इतना ही नहीं कलीसिया की गतिविधियों से भरा व्यस्त कार्यक्रम

अक्सर आत्मिक चिंतन और विकास के लिए बहुत कम जगह छोड़ता है।

हम अक्सर लोगों को कहते सुनते हैं, "मैं व्यस्त हूं, व्यस्त हूं, व्यस्त हूं"। मुझे लगता है कि आधुनिक दुनिया बहुत व्यस्त है। मैंने एक बार एक दिलचस्प संक्षिप्त नाम पढ़ा था, उसके बाद मैंने व्यस्त शब्द कहना बंद कर दिया। व्यस्त का अर्थ है "शैतान के जुए के अधीन होना"। यदि हमारे कैलेंडर इतने व्यस्त हैं कि हमारे पास अब परमेश्वर के साथ अंतरंगता बिताने या साथी विश्वासियों के साथ संगति का आनंद लेने का समय नहीं है, तो प्रार्थनापूर्वक अपने कार्यक्रमों की पुनः जांच करने का समय आ गया है। यीशु मसीह स्वयं अपने समय की अनेक मांगों के बावजूद अक्सर शांत स्थानों पर चले जाता था (मरकुस 1:35)। मैं आपको प्रोत्साहित करती हूं कि आप अपने कैलेंडर पर गौर करें और सोचें कि किन गतिविधियों को हटाकर परमेश्वर में बने रहने के लिए जगह बनाई जा सकती है।

(ब) डिजिटल विकर्षण!

आंकड़े बताते हैं कि एक औसत व्यक्ति दिन में 3–4 घंटे अकेले अपने स्मार्टफ़ोन पर बिताता है। और यह सिर्फ़ आम जनता की बात है - यदि हम युवा पीढ़ी पर गौर करें, तो वे लगभग हमेशा अपने डिवाइस पर ही लगे रहते हैं। यहां तक कि जब हम बाइबल ऐप का इस्तेमाल करके बाइबल पढ़ने की कोशिश करते हैं, तब भी बार-बार आने वाली सूचनाओं के कारण हमारा ध्यान भटक सकता है। हमें परमेश्वर के साथ बिताए जाने वाले समय की सुरक्षा के लिए जानबूझकर और व्यावहारिक सीमाएं तय करनी चाहिए।

(क) पाप के नमूने!

बिना स्वीकार किया पाप परमेश्वर के साथ हमारे रिश्ते में बाधा उत्पन्न करता है। जैसा कि **यशायाह 59:2 कहता है, ...परन्तु तुम्हारे अधर्म के कामों ने तुम को तुम्हारे परमेश्वर से अलग कर दिया है, ...।** दाऊद ने भी प्रार्थना की, **"तू अपने दास को ढिठाई के पापों से भी बचाए रख; वे मुझ पर प्रभुता करने न पाएँ! तब मैं सिद्ध हो जाऊँगा, और बड़े अपराधों से बचा रहूँगा" भजन संहिता 19:13।** हमें जानबूझकर किए गए पाप के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए। प्रभु से उसे पहचानने की सामर्थ्य और उस पर विजय पाने का अनुग्रह मांगें।

(ड) आत्मिक थकान!

जब हम ईश्वर के साथ कम समय बिताते हैं, तो हम आत्मिक संसाधनों के ह्रास की स्थिति से सेवा करने लगते हैं। यह अनिवार्य रूप से निराशा, आक्रोश और थकान की ओर ले जाता है। मैं अक्सर देखती हूं कि जो लोग कभी जोश और ताकत से दौड़ते थे, वे बहुत जल्दी थक जाते हैं और पस्त हो जाते हैं।

यह ज़रूरी है कि हम एक स्वस्थ संतुलन बनाए रखें। प्रभु का आनंद हमारी ताकत बना रहना चाहिए। हमें उसकी उपस्थिति में नियमित रूप से खुद को तरोताज़ा करते रहना चाहिए, नई ताकत और दूरदर्शिता प्राप्त करनी चाहिए।

यदि आप में से कोई आज थका हुआ महसूस कर रहा है, तो याद रखें कि यीशु मसीह आपको बुला रहा है :

हे थके हुए और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मत्ती 11रू28।

प्रिय भाइयों और बहनों,

हमने इस बात पर गौर किया है कि कैसे परमेश्वर ने हमें फलवंत होने के लिए बुलाया है - और हम जानते हैं कि यह तभी संभव है जब हम उसमें बने रहें। हमने इस पर भी मनन किया है कि उसमें कैसे बने रहें और ऐसा फल उत्पन्न करें जो स्थायी हो।

फिर भी, हम इस बात से भी अवगत हैं कि रास्ते में कई बाधाएं हैं। आत्मा तो तैयार है, पर शरीर दुर्बल है।

मैं प्रार्थना करती हूं कि जब हम अपने हृदयों की जांच करें, तो प्रभु हमें वे क्षेत्र दिखाए जहां हमें और बढ़ने की ज़रूरत है, ताकि हम उसके राज्य के लिए और भी अधिक फल ला सकें।

परमेश्वर ने हमें स्वतंत्र इच्छा का अनमोल वरदान दिया है - स्वतंत्रता।

प्रश्न यह है : हम इसका उपयोग कैसे करेंगे?

आइए, हम यह स्वतंत्रता उसकी महिमा के लिए चुनें।

****

एको ऑफ़ हिज़ कॉल
मिनिस्ट्रीज़ 57वें वर्ष की
उद्घाटन महासभा
ECHO OF HIS CALL 1969-2019 REACHING NATIONS
तारीख़ें :
शुक्रवार, 8 अगस्त से रविवार, 10 अगस्त 2025 तक
ECHO OF HIS CALL
Main Church at Chepauk, Chennai - 600 005.
कृपया प्रार्थना करें और सहभागिता करें
बहन एंजलीन सेल्वाकुमारी
सहायक पासबान

मसीही कार्यालय के लिए आवश्यकता
1. COMPUTER OPERATORS
2. PRINTING PRESS OPERATORS
Contact : (+91) 98412 71858, E.mail : sam@echoofhiscall.org

NOTICE

Please store the Mobile Phone numbers (+91) 98410 71858, (+91) 98412 71858 of Pastor S. Sam Selva Raj on your mobile phones.

- Editor

Posted at "Egmore RMS Patrika Channel" RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

एको ऑफ हिज़ कॉल

यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्स्क्राईब करें। - धन्यवाद

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :
ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.org

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS Patrika Channel"
on 9th AUGUST 2025
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**